भारत सरकार

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1307

दिनांक 09 फरवरी, 2024 को उत्तर के लिए

महिलाओं और बच्चों का स्वास्थ्य सर्वेक्षण

1307. डॉ. थोल तिरुमावलवन:

क्या **महिला और बाल विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगी किः

(क) क्या राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) केवल देश में महिलाओं और बच्चों की स्थिति के बारे में आंकड़ों का पता लगाने के लिए किया जाता है;

(ख) क्या पिछले सर्वेक्षण की तुलना में राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (एनएफएचएस-5) में बच्चों में अल्प पोषण, दुबलेपन, बौनेपन की स्थिति खराब हुई है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या पिछले सर्वेक्षण की तुलना में एनएफएचएस-5 में 15- 49 वर्ष के सक्रिय आयु वर्ग की लड़कियों और महिलाओं में रक्ताल्पता (एनीमिया) की स्थिति भी खराब हो गई है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

महिला एवं बाल विकास मंत्री

(श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी)

(क) से (ड.): राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) पूरे भारत में परिवारों के प्रतिनिधि नमूने में किया जाने वाला एक बड़े पैमाने पर, कई दौर के सर्वेक्षण है जो देश में महिलाओं और बच्चों की स्थितियों के बारे में डेटा सहित परिवार पर विभिन्न डेटा बिंदुओं को दर्ज करता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) द्वारा आयोजित किया जाता है। यह रिपोर्ट राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण पोर्टल (http://rchiips.org/nfhs/factsheet_nfhs-5.shtml) पर उपलब्ध है।

एनएफएचएस -5 (2019-21) की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, एनएफएचएस -4 (2015-16) की तुलना में 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के पोषण संकेतकों में सुधार हुआ है। दुबलापन 21% (एनएफएचएस -4) से घटकर 19.3% (एनएफएचएस -5) रह गया है, अल्पवजन 35.7% (एनएफएचएस -4) से घटकर 32.1% (एनएफएचएस -5) रह गया है और ठिगनापन 38.4% (एनएफएचएस -4) से घटकर 35.5% (एनएफएचएस -5) रह गया है।

इसके अलावा, दिसंबर 2023 के माह के पोषण ट्रैकर के आंकड़ों के अनुसार, 6 साल से कम उम्र के लगभग 7.44 करोड़ बच्चों को मापा गया, जिनमें से 36% बच्चों में ठिगनापन पाए गए और 17% कम वजन वाले पाए गए और 5 साल से कम उम्र के 6% बच्चे दुबले पाए गए है। पोषण ट्रैकर से प्राप्त कम वजन और ठिगनापन का स्तर एनएफएचएस 5 द्वारा अनुमानित की तुलना में बहुत कम है।

इसके अलावा, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 5 (2019-21) के अनुसार महिलाओं (15-19 वर्ष) में रक्ताल्पता का प्रसार के संबंध में 59.1 प्रतिशत है और एनएफएचएस-4 (2015-16) के अनुसार 54.1 प्रतिशत है। एनएफएचएस-5 के अनुसार महिलाओं (15-49 वर्ष) में रक्ताल्पता की प्रसार 57.0 प्रतिशत है और एनएफएचएस 4 के अनुसार 53.1 प्रतिशत है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से प्राप्त सूचना के अनुसार, रक्ताल्पता की वैश्विक व्याप्तता 2011 पर विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, रक्ताल्पता के 50 प्रतिशत मामलों के लिए आयरन की कमी को जिम्मेदार ठहराया गया है। रक्ताल्पता के अन्य कारणों में अन्य सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी (जैसे फोलेट, राइबोफ्लेविन, विटामिन-ए और बी -12), तीव्र और पुराने संक्रमण (जैसे मलेरिया,कैंसर,तपेदिक,परजीवी संक्रमण और एचआईवी), और वंशानुगत या अधिग्रहित विकार शामिल हैं जो हीमोग्लोबिन संश्लेषण(जैसे हीमोग्लोबिनोपैथी) को प्रभावित करते हैं ।

पोषण संबंधी कमियों और रक्ताल्पता सहित मातृ एवं बाल स्वास्थ्य में सुधार के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के मुख्य कार्यकलाप अन्य बातों के साथ-साथ अनुलग्नक-I में दिए गए हैं।

अनुलग्नक I

"महिलाओं और बच्चों का स्वास्थ्य सर्वेक्षण" सर्वेक्षण के संबंध में दिनांक 09.02.2024 को डॉ. थोल तिरुमावलवन द्वारा पूछे जाने वाले लोकसभा सभा के अतारांकित प्रश्न संख्या 1307 के उत्तर के भाग (ड.) में उल्लिखित अनुलग्नक

पोषण संबंधी कमियों और रक्ताल्पता सहित मातृ एवं बाल स्वास्थ्य में सुधार के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय के पोषण प्रभाग की मध्यस्ताएं हैं:

1. स्तनपान कवरेज में सुधार के लिए **माताओं का पूर्ण स्नेह (एमएए)** जिसमें स्तनपान की प्रारंभिक शुरुआत और पहले छह महीनों के लिए विशेष स्तनपान शामिल है, इसके बाद सीमावर्ती स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की क्षमता निर्माण और व्यापक आईईसी अभियानों के माध्यम से आयु-उपयुक्त पूरक आहार प्रथाओं का पालन करना शामिल है।

2. **नवजात और छोटे बच्चों की समुदाय आधारित देख**भाल: गृह आधारित नवजात देखभाल (एचबीएनसी) और छोटे बच्चों की गृह-आधारित देखभाल (एचबीवाईसी) कार्यक्रम के तहत, आशा द्वारा बच्चे के पालन-पोषण की प्रथाओं में सुधार करने और समुदाय में बीमार नवजात और छोटे बच्चों की पहचान करने के लिए घर का दौरा किया जाता है।

3. 5 वर्ष से कम आयु के गंभीर तीव्र कुपोषित (एसएएम) बच्चों को चिकित्सा जटिलताओं के साथ रोगी चिकित्सा और पोषण संबंधी देखभाल प्रदान करने के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) स्थापित किए जाते हैं। एनआरसी में भर्ती एसएएम बच्चों के पोषण प्रबंधन के अंतर्गत स्थायीकरण के दौरान और पुनर्वास चरण के दौरान चिकित्सीय आहार प्रदान किया जाता है। रोगनाशक देखभाल के अतिरिक्त, बच्चों को समय पर, पर्याप्त और समुचित आहार देने, सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमियों को दूर करने, उनकी आयु के अनुरूप संपूर्ण परिचर्या और आहार पद्धतियों के संबंध में माता तथा देखभाल करने वालों के कौशल में सुधार करने पर विशेष ध्यान दिया जाता है एवं माताओं को बच्चों में पोषण एवं स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान करने के लिए परामर्श सहायता प्रदान की जाती है।

4. **एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी**) कार्यनीति का उद्देश्य मजबूत संस्थागत तंत्र के माध्यम से छह मध्यस्ताओं के कार्यान्वयन से जीवन चक्र दृष्टिकोण में छह लाभार्थियों के आयु वर्ग के बच्चों (6-59 माह), बच्चों (5-9 वर्ष), किशोरों (10-19 वर्ष), गर्भवती और स्तनपान कराने वाली

महिलाओं और प्रजनन आयु वर्ग (15-49 वर्ष) की महिलाओं में रक्ताल्पाता को कम करना है। ये पहल रोगनिरोधी आयरन एवं फोलिक एसिड अनुपूरण; निर्जलीकरण; आयरन और फोलिक एसिड अनुपूरण और आयु के अनुरूप शिशु और छोटे बच्चे की आहार प्रथाओं में सुधार के लिए वर्ष भर तीव्र व्यवहार परिवर्तन संचार अभियान; डिजिटल तरीकों और देखभाल उपचार के बिंदु का उपयोग करके एनीमिया का परीक्षण; स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करने के साथ आयरन और फोलिक एसिड संपुष्ट खाद्य पदार्थों का प्रावधान; मलेरिया, हीमोग्लोबिनोपैथी और फ्लोरोसिस पर विशेष ध्यान देते हुए इन्ड़ेमिक पॉकेट में रक्ताल्पता के गैर-पोषण संबंधी कारणों पर ध्यान देना।

5. **राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस (एनडीडी)** के तहत, सभी बच्चों और किशोरों (1-19 वर्ष) के बीच मिट्टी में संचारित कृमि संक्रमण(एसटीएच) को कम करने के लिए दो दौरों (फरवरी और अगस्त) में स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से एक निश्चित दिन में एल्बेंडाजोल की गोलियां दी जाती हैं।

*****